

**श्रुति-प्रमाण** पुं. (तत्.) वेदों का प्रमाण, वेदों की स्वीकृति।

**श्रुति-प्रामाण्य** पुं. (तत्.) वेदों द्वारा प्रमाणित होने का भाव।

**श्रुति-मधुर** वि. (तत्.) सुनने में मधुर या आनंद दायक। कर्णप्रिय।

**श्रुति-माथा** पुं. (तत्.+तद्.) वेदों का शीर्ष, परमात्मा, ब्रह्म।

**श्रुति-माधुर्य** पुं. (तत्.) कर्णप्रिय होने का भाव।

**श्रुतिमार्ग** पुं. (तत्.) दे. श्रुतिपथ।

**श्रुतिमुख** वि./पुं. (तत्.) चार मुख वाला, ब्रह्मा।

**श्रुतिमूल** पुं. (तत्.) 1. कान का आंतरिक भाग 2. वेदों का मूल भाग, संहिता-पाठ, मंत्र।

**श्रुतिमूलक** वि. (तत्.) वेदों पर आधारित, वैदिक प्रमाणों के आधार पर विकसित, वेदविहित।

**श्रुतिरंजक** वि. (तत्.) दे. श्रुतिमधुर।

**श्रुतिवर्जित** वि. (तत्.) 1. वेदों द्वारा वर्जित या निषिद्ध 2. बहरा, जो सुन न सकता हो।

**श्रुतिविवर** पुं. (तत्.) कान का छिद्र, कर्णविवर।

**श्रुतिविषय** पुं. (तत्.) 1. श्रवणेंद्रिय का विषय, शब्द, ध्वनि 2. वेदों में वर्णित विषय।

**श्रुतिवेध** पुं. (तत्.) कान में (कुंडल आदि पहनने के लिए) छेद करना, कनछेदन वि. शास्त्रोक्त सोलह संस्कारों में से एक।

**श्रुतिसुख** पुं. (तत्.) सुनने से प्राप्त होने वाला आनंद, संगीत का आनंद वि. सुनने में आनंद देने वाला, कर्णप्रिय।

**श्रुतिसुखकर** वि. (तत्.) कर्णप्रिय।

**श्रुतिसुखद** वि. (तत्.) दे. श्रुतिसुखकर।

**श्रुतिस्मृति** पुं. (तत्.) वेद एवं धर्मशास्त्र।

**श्रुतिहर** वि. (तत्.) कानों को आकर्षित करने वाला जैसे- श्रुतिहर संगीत।

**श्रुतिहारी** वि. (तत्.) दे. श्रुतिहर।

**श्रुत्यनुप्रास** पुं. (तत्.) अनुप्रास अलंकार का एक भेद जिसमें एक ही स्थान से उच्चरित वर्णों की बार बार आवृत्ति होती है उदा. 'वह, आता, दो टूक कलेजे के करता, पछताता, पथ पर आता (निराला)।

**श्रुतविज्ञ** वि./पुं. (तत्.) वेद-शास्त्रों का विद्वान।

**श्रुवा** स्त्री. (तत्.) यज्ञ में आहुति देने के लिए प्रयुक्त चम्मच जैसा लकड़ी का पात्र, सुवा।

**श्रूयमाण** वि. (तत्.) 1. सुना जाता हुआ (शब्द आदि) 2. विख्यात।

**श्रेढी** स्त्री. (तत्.) गणि. एक विशिष्ट क्रम से आने वाले अंकों या संख्याओं की मालिका। progression

**श्रेणी** स्त्री. (तत्.) 1. पंक्ति, कतार 2. शृंखला, जंजीर 3. समूह, समुदाय 4. सीढ़ी 5. कक्षा 6. (प्राचीन काल में- लगभग 1500 वर्ष पूर्व तक) समान आजीविका वाले व्यापारियों, शिल्पियों आदि का समूह 7. गणि. श्रेढी का वह प्रकार जिसमें अगली संख्या कुछ जोड़कर या घटाकर प्राप्त होती हो। series

**श्रेणीकरण** पुं. (तत्.) श्रेणियाँ बनाना, वर्गनिर्धारण, वर्गीकरण।

**श्रेणीबद्ध** वि. (तत्.) 1. वर्गीकृत, श्रेणियों के अनुसार व्यवस्थित 2. पंक्तिबद्ध 3. क्रमबद्ध।

**श्रेणी समाजवाद** पुं. (तत्.) अर्थ. समाजवाद की यह मान्यता कि उद्योगों के संचालन तथा लाभांशवितरण आदि में मजदूर संघों का अधिकाधिक नियंत्रण होना चाहिए, नीतिनिर्धारण में उपभोक्ता के हितों का ध्यान रखा जाना चाहिए तथा सरकारी हस्तक्षेप कम से कम होना चाहिए।

**श्रेण्य** वि. (तत्.) 1. उच्चस्तरीय, उत्कृष्ट 2. प्राचीन एवं प्रतिष्ठित 3. संस्कृत, ग्रीक, लैटिन आदि प्राचीन साहित्य से संबंधित। classic, classical

**श्रेण्यकाल** पुं. (तत्.) इतिहास का वह कालखंड जो उत्कृष्ट साहित्य, कलाकृतियों या समृद्ध जीवनस्तर आदि के लिए विख्यात हो।

**श्रेण्य ग्रंथ** पुं. (तत्.) ऐसे ग्रंथ जो अन्य परवर्ती ग्रंथों या रचनाओं के लिए प्रेरणा दे सकें, उपजीव्य ग्रंथ। classic books